44686

कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) B.S.E.R. Q क्रम संख्या

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के ... उत्तर पुस्तिका ... भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय राजनीति विज्ञान

परीक्षा का दिन गुरुवार

दिनांक 21-03-24

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	15	19	03
2	07	20	04
3	10	21	04
4	02	22	04
5	02	23	
6	02	24	
7	02	25	
8	02	26	
9	02	27	
10	02	28	
11	02	29	
12	02	30	
13	02	31	
14	02	योग	80
15	02	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	03	अंकों में	शब्दों में
17	03	80	अस्सी
18	03		

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

परीक्षक के हस्ताक्षर [illegible] संकेतांक 30149

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है।175/2023

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटे।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटे।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि / अन्तर / विराधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
01	1	(i) (ब)
01		(ii) (द)
01		(iii) (ब)
01		(iv) (स)
01		(v) (द)
01		(vi) (ब)
01		(vii) (अ)
01		(viii) (द)
01		(ix) (ब)
01		(x) (ब)
01		(xi) (अ)
01		(xii) (स)
01		(xiii) (द)
01		(xiv) (अ)
01		(xv) (ब)
15		
01	2	(i) 1989
01		(ii) शान्ति सेना
01		(iii) मानवता की सुरक्षा
01		(iv) 2004
01		(v) 14, 6
01		(vi) जे. सी. कुमारप्पा
01		(vii) 1963
07		

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

③ ⇒ (i) जर्मनी का एकीकरण 1990 में हुआ।

(ii) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों के नाम (कोई दो) ⇒ ब्रिटेन, फ्रांस।

(iii) 'वीटो पावर' :- वीटो का शाब्दिक अर्थ है - "मैं मना करता हूँ।" संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद के पाँच स्थायी सदस्य किसी मुद्दे पर "वीटो पावर" का इस्तेमाल करते हैं तो वह प्रस्ताव खारिज हो जाता है।

(iv) सुरक्षा के मुख्य रूप से दो स्वरूप हैं :-
(1) परम्परागत सुरक्षा
(2) अपरम्परागत सुरक्षा।

(v) वैश्विक मामलों से सरोकार रखने वाले 'क्लब ऑफ रोम' द्वारा प्रकाशित पुस्तक का नाम

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

01 'लिमिट टू ग्रोथ' है।

01 (vi) भारत मे 'अनुसूचित जनजाति' के लोगो को 'मूलवासी' कहा गया है।

(vii) वैश्वीकरण का अर्थ :- वैश्वीकरण का

01 अर्थ है विचार पूँजी वस्तु और लोगो का विश्व के विभिन्न भागो मे प्रवाह।

01 (viii) भारत मे भाषा के आधार पर सर्वप्रथम आन्ध्रप्रदेश राज्य का निर्माण हुआ।

(ix) वामपंथ :- वामपंथ से उन लोगो

01 की ओर संकेत किया जाता है, जो गरीब और पिछड़े सामाजिक समूहो की तरफदारी करते है और इन तबको का फायदा पहुँचाने वाली सरकारी नीतियो का समर्थन करते है।

01 (x) भारत मे पूर्वोत्तर के सात राज्यों को सात बहनो का भाग कहा जाता है।

(10)

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(4) => मार्शल योजना :-

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका ने यूरोप के देशों की अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन हेतु जबरदस्त मदद की थी इसे 'मार्शल योजना' के नाम से जाना जाता है। इस योजना के अध्यक्ष अमेरिकी अधिकारी मार्शल थे। इस योजना के द्वारा यूरोप के पूंजीवादी देशों की आर्थिक स्थिति मे सुधार हुआ।

2

(5) => "भारत को सुरक्षा परिषद मे स्थायी सदस्य के रूप मे शामिल किया जाना चाहिये।"

इस कथन के पक्ष मे दो कारण निम्नलिखित है :-

(1) भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है।

(2) भारत संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट मे नियमित रूप से

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

अपना योगदान दे रहा है और ये कभी भी अपने भुगतान से चूका नहीं है।

2

6 निरस्त्रीकरण :- निरस्त्रीकरण से अभिप्राय है हथियारों के निर्माण और उनको हासिल करने पर अंकुश लगाना है। निरस्त्रीकरण मे हथियारो के कम से कम उपयोग पर बल दिया जाता है। निरस्त्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए गए है और इसके लिए कई सन्धियाँ भी की गई है। जैसे :- एंटी बैलेस्टिक सन्धि आदि।

2

7 "पर्यावरण संरक्षण मे भारत का महत्वपूर्ण योगदान है" इस कथन के पक्ष मे दो बिन्दु ये है :-

(1) भारत एक विकासशील देश है, इसलिए भारत के उद्योगो द्वारा कम उत्पादन किया जाता है जिससे पर्यावरण प्रदूषण कम

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

होता है।

(2) भारत वैश्विक तापवृद्धि को कम करने के लिए निरन्तर प्रयास कर रहा है। जिससे ओजोन परत अपक्षय कम - से - कम हो।

2

(8) आजादी के बाद भारत की चुनौतियाँ :-

आजादी के बाद भारत निम्न दो चुनौतियों का प्रमुख रूप से सामना कर रहा है :-

(1) राष्ट्र निर्माण की चुनौती :- आजादी के बाद सबसे प्रमुख चुनौती राष्ट्र निर्माण की थी। भारत मे कई धर्म, जाति, वर्ग, भाषा आदि के लोग रहते, वे इन सबको ध्यान मे रखकर राष्ट्र का निर्माण करने की एक चुनौती थी।

(2) लोकतांत्रिक व्यवस्था को लागू करना :-

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

आजादी के बाद भारत के सामने लोकतंत्रिक व्यवस्था को लागू करने की एक चुनौती थी। इसके लिए भारत ने संसदीय प्रतिनिधियात्मक लोकतांत्रिक प्रणाली को अपनाया था।

2

9) बाम्बे प्लान की मूल अवधारणा :-

1944 मे बाम्बे में उद्योगपतियो के एक समूह ने नियोजित अर्थव्यवस्था लागू करने का एक संयुक्त प्रस्ताव तैयार किया। इसे 'बाम्बे प्लान' के नाम से जाना जाता है। उनका उद्देश्य अर्थव्यवस्था में आए गतिरोध को दूर कर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ बनाना था। बाम्बे प्लान की मूल अवधारणा यही है।

2

10) भारत मे गठबंधन राजनीति का प्रभाव :-

भारत मे गठबंधन की राजनीति के निम्नलिखित दो प्रभाव पड़े :-

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(1) कांग्रेस के प्रभुत्व की समाप्ति :-

भारत मे गठबंधन की राजनीति के परिणामस्वरूप कांग्रेस पार्टी की स्थिति पहले जैसी नही रही जिसके कारण कांग्रेस का प्रभुत्व समाप्त हो गया।

(2) क्षेत्रीय दलों की संख्या मे वृद्धि :-

गठबन्धन की राजनीति के परिणामस्वरूप भारत के अनेक राज्यों मे क्षेत्रीय दलो की संख्या मे वृद्धि हो गई।

2

(ii) राजनीति 'दल-बदल' :- जब कोई राजनीति मे कोई जनप्रतिनिधि किसी एक राजनीतिक पार्टी का चुनाव चिन्ह लेकर चुनाव लड़ता है और चुनाव जीत जाता है। और जीतने के बाद अपनी पार्टी बदल लेता है तो इसे राजनीतिक 'दल-बदल' कहते है।

भारत मे 1967 के चुनावो मे

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

एक जनप्रतिनिधि ने तीन दफा अपनी पार्टी बदली थी। इससे 'आया राम, गया राम' जुमला बहुत मशहूर हो गया।

2

(12) 1974 मे गुजरात छात्र आन्दोलन के कारण:-

1974 मे गुजरात मे छात्र आन्दोलन के दो कारण निम्नलिखित है:-

(1) 1974 मे गुजरात के छात्र अपनी कॉलेज की फीस देने मे समर्थ नहीं थे क्योंकि कालेज की फीस मे अत्यधिक वृद्धि हो गयी थी।

2

(2) भ्रष्टाचार मे भी बहुत वृद्धि हो गई थी इसलिए गुजरात छात्र आन्दोलन करने के लिए उठ खड़े हुए।

(13) भारत मे आपातकाल के सबक:-

भारत मे आपातकाल लागू होने के दो सबक इस प्रकार है:-

(1) आपातकाल का पहला सबक तो

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

यही है कि भारत से लोकतंत्र को विदा कर पाना बहुत कठिन है।

(2) आपातकाल का दूसरा सबक यह है कि अब अंदरूनी आपातकाल सिर्फ 'सशस्त्र विद्रोह' की स्थिति में ही लगाया जा सकता है। और आपातकाल की सूचना मंत्रिमंडल राष्ट्रपति को लिख में दे।

2

(15) क्षेत्रवाद को रोकने हेतु उपाय :-

क्षेत्रवाद को रोकने के दो उपाय निम्नलिखित है :-

(1) सभी क्षेत्रीय पहचानों के अस्तित्व को बनाए रखा जाना चाहिए उनके अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। ताकि उनमे अलग क्षेत्र बनाने की भावना विकसित न हो।

(2) सभी धर्मों, जाति वर्ग भाषा के लोगों के बीच परस्पर

Sl.

र्थी उत्तर

ना चाहिए।

S

ीय दल :-

दल निम्नलिखित है:-

(2)

ार्टी

संगठन पूरे देश

ै।

रेपी का शाब्दिक
पहुंचाकर उपचार

ाथिप्राय है धीरे-धीरे
एकदम आमूल-
प्रयत्नों को
राज्य में शाक थेरेपी
फुरत नीति
ापन मुक्त
की, आपसी
दिया गया

S

Sl.No. : 3668

SS-11-Pol. Sc.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2024

राजनीति विज्ञान

POLITICAL SCIENCE

22

Ans

4

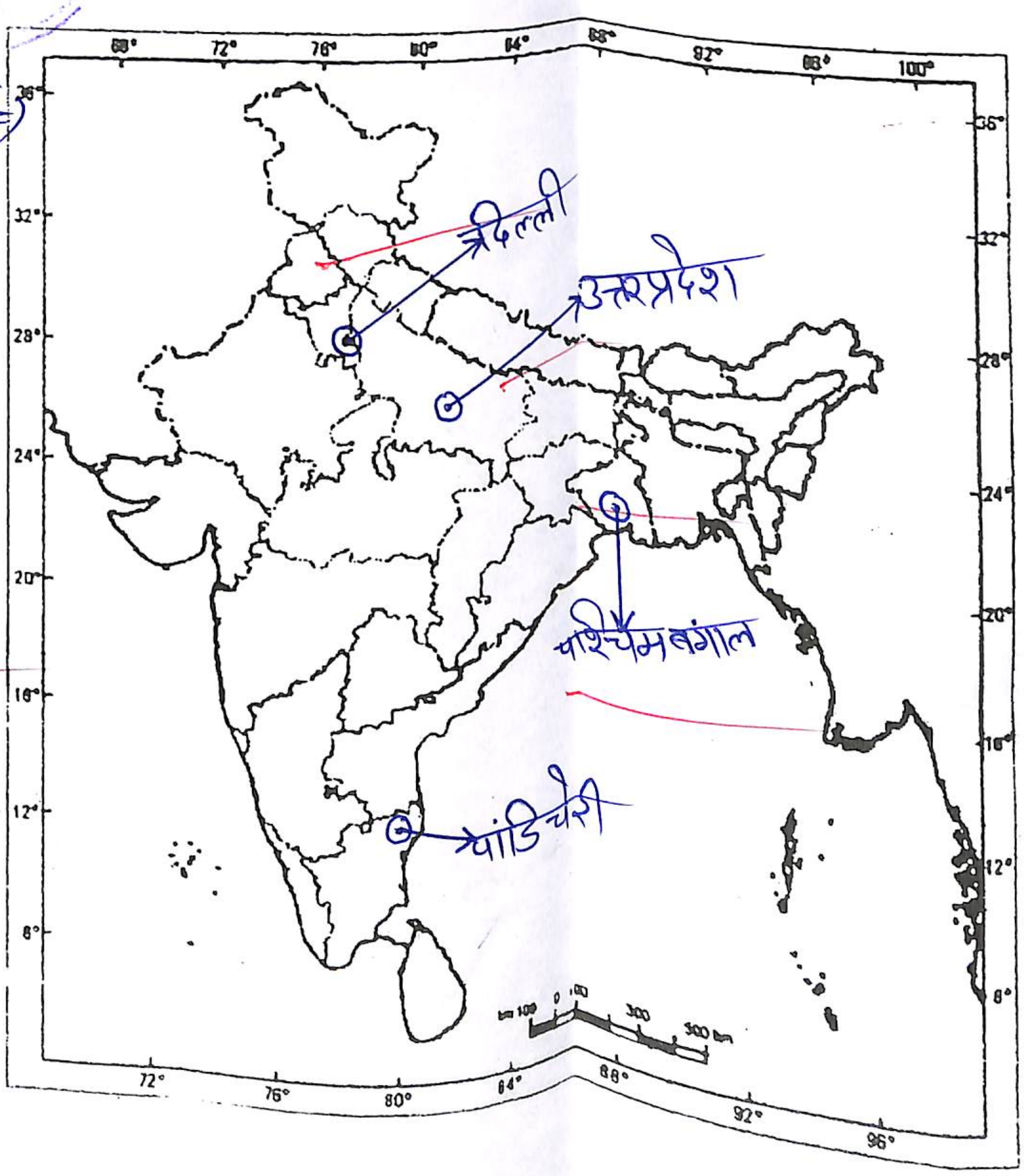

परी
प्र

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

2

सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए।

(5) भारत के दो राष्ट्रीय दल :-

भारत के दो राष्ट्रीय दल निम्नलिखित है:-
(1) कांग्रेस पार्टी
(2) भारतीय जनता पार्टी

2

इन दोनों दलों का संगठन पूरे देश मे फैला हुआ है।

(20) 'शाक थेरेपी' :-

शॉक थेरेपी का शाब्दिक अर्थ है → आघात पहुँचाकर उपचार करना।

'शॉक थेरेपी' से अभिप्राय है धीरे-धीरे परिवर्तन न करके एकदम आमूल-चूल परिवर्तन के प्रयत्नों को लादना। रूसी गणराज्य मे 'शॉक थेरेपी' के अन्तर्गत तुरत-फुरत निजी स्वामित्व, वित्तिय खुलापन, मुक्त व्यापार, मुद्राओ की 'आपसी परिवर्तनीयता' पर बल दिया गया था।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

'शाक थेरेपी' के परिणाम :-

1990 में अपनायी गई शाक थेरेपी के प्रमुख परिणाम निम्न-लिखित है :-

(1) अर्थव्यवस्था का तहस-नहस होना :-

'शाक थेरेपी' के परिणामस्वरूप सोवियत संघ के पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था तहस-नहस हो गयी। इसके परिणामस्वरूप रूस में पूरा राज्य नियंत्रित औद्योगिक ढाँचा चरमरा गया। लगभग 90 प्रतिशत उद्योगों को निजी हाथों या कम्पनियों को सौंप दिया गया।

पूर्व सोवियत संघ के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों को अनाप-शनाप किमतों पर निजी कम्पनियों को बेचने को उसके इतिहास की सबसे बड़ी 'गराज-सेल' के नाम से जाना जाता है। क्योंकि महत्वपूर्ण उद्योगों को औने-पौने दामों में निजी हाथों में बेच दिया गया।

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(2) रूसी मुद्रा रूबल मे गिरावट :- शॉक-थेरेपी के कारण रूसी मुद्रा 'रूबल' को भारी गिरावट का सामना करना पड़ा। इस गिरावट के कारण मुद्रा स्फीति इतनी बढ गई कि लोगो ने जो पूँजी जमा कर रखी थी वे समाप्त हो गई और लोग कंगाल हो गए।

(3) लोकतांत्रिक संस्थाओ के निर्माण को प्राथमिकता नहीं :- शाक थेरेपी के परिणामस्वरूप लोकतांत्रिक संस्थाओ का निर्माण हड़बड़ी मे किया गया परिणामस्वरूप संसद अपेक्षाकृत कमजोर संस्था रह गई।

(4) खाद्यान आपूर्ति की समाप्ति :- शाक थेरेपी के परिणामस्वरूप खाद्यान्न की आपूर्ति मे भी भारी गिरावट आ गई। रूस ने खाद्यान्न का आयात करना शुरू किया।

(5) वैकल्पिक व्यापारिक ढांचे का अभाव :-

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

शॉक थेरेपी के परिणामस्वरूप पुराना औद्योगिक ढाँचा ध्वंस हो गया। लेकिन इसकी जगह कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो पा रही थी।

(6) समाज में अमीरी - गरीबी को बढ़ावा :-

शॉक - थेरेपी के परिणामस्वरूप जनता को बर्बादी की मार झेलनी पड़ी और समाज में अमीरी - गरीबी की खाई बढ़ती चली गई।

→ इस प्रकार सोवियत संघ (रूस) पर शॉक - थेरेपी के बहुत ही नकारात्मक प्रभाव पड़े।

(16) ⇒ भारत - चीन सम्बन्ध :- चीन की स्वतंत्रता 1948 के बाद भारत और चीन दोनों देशों के सम्बन्ध मैत्रीपूर्ण रहे। कुछ समय के लिए 'हिन्दी - चीनी भाई - भाई' का नारा भी लोकप्रिय हुआ। लेकिन निम्नलिखित

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

कारणों से दोनों देशों के बीच शत्रुता पैदा हो गयी :-

(1) तिब्बत का प्रश्न :-

1948 तक तिब्बत नाममात्र के लिए चीन के अधीन रहा परन्तु आन्तरिक और बाह्य रूप से पूर्णतः स्वतंत्र था। भारत के तिब्बत के साथ घनिष्ठ व्यापारिक और सांस्कृतिक सम्बन्ध रहे हैं। परन्तु 1950 से चीन को तिब्बत को हड़पने की नीति चालू कर दी। 1954 मे चीन की सरकार ने तिब्बत पर पूर्ण अधिकार जमा लिया। तिब्बतियों ने इसका विरोध किया और तिब्बत के पारम्परिक नेता दलाई लामा ने 1959 मे भारत मे शरण ली। चीन ने शरण दिये जाने की भारत की नीति को अपने प्रति शत्रुता की संज्ञा दी।

(2) मैकमोहन रेखा तथा सीमा-विवाद :-

भारत के साथ सीमा-विवाद एक ऐतिहासिक देन है। भारत मैकमोहन रेखा को दोनों देशों के बीच

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सीमा रेखा मानता है परन्तु चीन इसे स्वीकार नहीं करता परिणामतः वह भारतीय भू-भाग मे घुसपैठ करता रहता है।

1962 मे चीन ने भारत के अरुणाचल प्रदेश के कुछ भागो और लद्दाख पर अपना अधिकार जमा लिया। इस पर दोनो देश लड़ पड़े। परिणामतः भारत को सैनिक पराजय झेलनी पड़ी।

(3) सिक्किम का भारत मे विलय:-

1975 मे श्रीमती इन्दिरा गाँधी ने सिक्किम को भारत मे मिलाकर इसे भारत का 22 वाँ राज्य घोषित किया। परन्तु चीन ने इसकी आलोचना की और उसके द्वारा प्रदर्शित मानचित्रो मे भारत के हिस्से मे सिक्किम को नही दिखाया गया।

अन्त मे चीन ने इसे मान्यता दे दी और दोनो देशो के बीच यह विवाद समाप्त हो गया।

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(५) अन्य :-

(1) भारत के विरुद्ध चीन पाकिस्तान मे सैन्य तथा परमाणु हथियारो को विकसित करने मे सहायता दे रहा है।

3

(2) चीन नेपाल को भारत से अलग कर वहां अपने सैनिक ठिकाने बनाना चाहता है।

(3) चीन समय-समय पर भारतीय भू-भाग मे घुसपैठ करता रहता है।

BSER-175/2023

18 वैश्वीकरण के सकारात्मक प्रभाव :-

वैश्वीकरण के सकारात्मक प्रभाव अग्रलिखित है :-

(1) पसन्द-नापसन्द का दायरा बढ़ना :-

वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप हमारी पसन्द-नापसन्द का दायरा बढ़ता है। **जैसे** :- बर्गर के साथ मसाला डोसा अब हमारे भोजन मे शामिल हो गया है। इससे हमारी पसन्द-नापसन्द का दायरा बढ़ा है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(2) संस्कृति का परिष्कार :- वैश्वीकरण के प्रभावस्वरूप संस्कृति का परिष्कार भी होता है जैसे :- नीलि जीन्स पर खादी का कुर्ता पहनना। आज हम अनेक अमेरिकी लोगों को नीलि जीन्स पर खादी का कुर्ता पहने देख सकते हैं। यह संस्कृति का परिष्कार ही है।

(3) सांस्कृतिक वैभिन्निकरण :- वैश्वीकरण के कारण अब प्रत्येक संस्कृति कहीं ज्यादा अलग और विशिष्ट होती जा रही है। इस प्रक्रिया को 'सांस्कृतिक वैभिन्निकरण' कहते हैं।

(4) राज्य की शक्ति में वृद्धि :- वैश्वीकरण के कारण कुछ सीमा तक राज्य की शक्ति में वृद्धि भी हुई है।

वैश्वीकरण के कारण अब राज्य अपने नागरिकों के बारे में

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सूचनाएँ जुटा सकते हैं। इस सूचना के द्वारा राज्य ज्यादा कारगर ढंग से काम कर सकते हैं। इस दृष्टि से वैश्वीकरण के कारण राज्य की क्षमता बढ़ी है।

(5) आर्थिक वैश्वीकरण के लाभकारी परिणाम :-

आर्थिक वैश्वीकरण के कारण लोगों की आर्थिक समृद्धि बढ़ी है उनको प्रगति का अवसर मिला है तथा लोगों की खुशहाली बढ़ी है।

वैश्वीकरण के कारण आयात प्रतिबन्धों के कम होने वस्तुओं के व्यापार में भी वृद्धि हुई है।

3

→ इस प्रकार वैश्वीकरण के अनेक सकारात्मक प्रभाव पड़े हैं।

(17) भारत - पाकिस्तान विवाद के मुद्दे :-

भारत - पाकिस्तान के सम्बन्ध प्रारम्भ से ही तनावपूर्ण रहे हैं, इनके मध्य विवाद के प्रमुख मुद्दे निम्नलिखित हैं :-

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(1) कश्मीर-मुद्दा :- भारत - पाकिस्तान के बीच तनाव का एक महत्वपूर्ण मुद्दा 'कश्मीर - मुद्दा' है। स्वतंत्रता से अब तक दोनों देश कश्मीर पर अपने प्रतिस्पर्धी दावों के चलते विवाद करते रहते हैं।

स्वतंत्रता के समय कश्मीर का कुछ भाग पाकिस्तान ने अपने नियंत्रण में ले लिया था। जिसे 'अधिकृत-कश्मीर' कहा जाता है। इस मुद्दे को लेकर दोनों देशों के बीच युद्ध हो चुका है परन्तु फिर भी अब तक इस मुद्दे का हल नहीं हो पाया है।

(2) आतंकवाद :- भारत - पाकिस्तान के बीच विवाद का सबसे प्रमुख मुद्दा भारत में पाक-समर्थित आतंकवाद है। पाकिस्तान द्वारा भारत में आतंकवाद को

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बढ़ावा दिया जा रहा है। पाकिस्तान भारत में सैन्य और परमाणु हथियारों के क्रम पर भारत के आतंकवादियों की मदद कर रहा है। यह एक गम्भीर समस्या है।

इस मुद्दे को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद बना हुआ है।

(3) बांग्लादेश की समस्या :- भारत की स्वतंत्रता (1947) के समय भारत से अलग होने पर पाकिस्तान दो भागों में विभाजित था : पूर्वी पाकिस्तान, पश्चिमी पाकिस्तान। पूर्वी पाकिस्तान की जनता में पश्चिमी पाकिस्तान के विरुद्ध व्यापक असन्तोष व्याप्त था। वह एक अलग राष्ट्र की मांग कर रहा था।

3

भारत ने 1971 में पाकिस्तान से युद्ध कर बांग्लादेश को स्वतंत्रता दिलाने में मदद की और बांग्लादेश के 80 लाख शरणार्थियों की सहायता की।

इस प्रकार इन दोनों देशों के बीच विवाद है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(19) मण्डल आयोग :-

1977 में जनता पार्टी की सरकार ने देश में सरकारी नौकरियों और शिक्षा संस्थाओं में 'अन्य पिछड़ी जातियों' की कम उपस्थिति को देखते हुए इनके लिए आरक्षण की व्यवस्था करने की कोशिश की थी।

बिहार के 'कर्पूरी ठाकुर' इस दिशा में आग्रणी थे। तात्कालिन समय में वह बिहार के मुख्यमंत्री थे और उन्होंने बिहार में 'अन्य पिछड़ी जातियों' के आरक्षण के लिए अनेक प्रावधान लागू किए थे।

→ 1978 में 'मंडल आयोग' का गठन किया गया था। इसे अधिकारीक रूप से देश का 'दूसरा पिछड़ा वर्ग आयोग' भी कहा जाता है। इसके अध्यक्ष बी.पी मण्डल थे। इनके नाम पर ही इस आयोग का नाम 'मण्डल आयोग' रखा गया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

मण्डल आयोग की सिफारिशे :-

मण्डल आयोग की प्रमुख सिफारिशे निम्नलिखित थी। :-

(1) मण्डल आयोग की सिफारिश थी कि अन्य पिछड़ी जातियो को 'पिछड़ी जातियो' के अर्थ मे स्वीकार किया जाए।

(2) अन्य पिछड़ी जातियो को सरकारी नौकरियो और शिक्षा संस्थाओ मे 27% आरक्षण दिया जाए ताकि यह जाति भी समाज मे अपनी जगह बनाए।

(3) अन्य पिछड़ी जातियो के लिए 'भूमि सुधार' कार्यक्रमो को लागू करना भी मण्डल आयोग की प्रमुख सिफारिश थी।

3

→ इस प्रकार मण्डल आयोग 'अन्य पिछड़ी जातियो' के आरक्षण की व्यवस्था करने के लिए लागू किया गया था।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(21) गुटनिरपेक्षता :-

गुटनिरपेक्षता का अर्थ है बिना किसी गुट में शामिल हुए अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का सन्चालन करना ही गुटनिरपेक्षता कहलाता है।

भारत की गुट निरपेक्षता नीति :-

स्वतंत्रता के बाद भारत ने किसी भी गुट (सोवियत संघ और अमेरिका) में शामिल हुए बिना अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का सन्चालन किया।

→ प. जवाहरलाल नेहरू भारत के पहले विदेश मंत्री रहे थे।

पं. जवाहरलाल नेहरू ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का सन्चालन करने के लिए किसी भी गुट का दबाव नहीं माना और अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का सन्चालन किया।

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

एफ्रो - एशियाई सम्मेलन :-

एफ्रो - एशियाई सम्मेलन इण्डोनेशिया के शहर बाडुंग मे 1955 मे हुआ।

इस सम्मेलन मे अफ्रीका और एशिया के नव - स्वतंत्र देशो ने भाग लिया। और अपनी स्वतंत्र विदेश नीति के संचालन पर बल दिया।

इस सम्मेलन मे ही गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की नींव पड़ी।

यदि विदेश नीति किसी दूसरे देश के नियंत्रण मे रहती है तो वह स्वतंत्र रूप से कार्य नहीं कर पाती है।

→ भारत की नीति :-

4 गुटनिरपेक्षता की नीति को छोड़कर भारत ने अपने आस पड़ोस के देशो के साथ अपने सम्बन्ध मजबूत करने पर बल दिया।

समाप्त

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		80/80 पढ़िया 30149

BSER-175/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023